भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 671

दिनांक 29.04.2015/9 वैशाख, 1937 (शक) को उत्तर के लिए

छत्तीसगढ़ में नक्सल संबंधी घटनाओं में वृद्धि

671. श्रीमती मोहसिना किदवई:

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को अप्रैल के दूसरे सप्ताह में सुकमा जिले में उत्कृष्ट सशस्त्र बल के सात जवानो के हाल में नक्सली हमले में शहीद होने की जानकारी है और क्या देश में होने वाली कुल हत्याओं की तुलना में इस वर्ष छत्तीसगढ़ में हुई नक्सली घटनाओं में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष छत्तीसगढ़ में मारे गए लोगों सहित ऐसी घटनाओं का ब्यौरा क्या है और ऐसी प्रत्येक घटना के बाद क्या कार्रवाई की गई है और इसके क्या परिणाम रहे; और

(ग) इस घटना के 24 घण्टे का बाद भी शहीद हुए जवानों के शव प्राप्त न करने और समूचे 60 जवानों के सैन दल से हथियार और गोला बारूद लूट लेने के क्या कारण हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरिभाई परथीभाई चौधरी)

(क): चालू वर्ष में (15.04.2015 तक) देश भर में हुई वामपंथी उग्रवादी (एलडब्ल्यूई) हिंसा की 357 घटनाओं और उसके परिणामस्वरुप हुई 79 मौतों में से छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवादी हिंसा की 188 घटनाएं हुई जिसके परिणामस्वरुप 46 मौतें (18 नागरिक और 28 सुरक्षा बल कार्मिक) हुईं। इस प्रकार, छत्तीसगढ़ का हिस्सा कुल घटनाओं में 52.7% और कुल मौतों में 58.2% है।

(ख): हताहतों सहित वामपंथी उग्रवादी हिंसा की बड़ी घटनाओं का ब्यौरा अनुलग्नक में संलग्न है। जब कभी वामपंथी उग्रवादी हिंसा से संबंधित अपराध सहित कोई अपराध किया जाता है, तब राज्य पुलिस द्वारा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाती है और मामले की जांच करके कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाती है। इसके अलावा, सुरक्षा बल कार्मिकों द्वारा नियमित आधार पर वामपंथी उग्रवादी-रोधी अभियान चलाए जाते हैं।

(ग): दिनांक 12.04.2015 को एक सुनियोजित अभियान के द्वारा शहीद जवानों के शव प्राप्त किए गए थे। शवों को प्राप्त करने में हुए विलंब के कारण निम्नानुसार हैं:-

(i) भारी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी के साथ अत्यधिक माओवादी संवेदनशील क्षेत्र।

(ii) पुलिस दल पर आईईडी से हमले/घात की किसी संभावना को नकारना।

(iii) अतिरिक्त दल के और सदस्यों को हताहत होने से बचाना।

(iv) 13 किमी. की पैदल दूरी तय करके शहीद पुलिस कार्मिकों के शवों को प्राप्त करना।

(v) यह पुष्टि करना कि शहीद कार्मिकों के शव मुठभेड़ स्थल पर थे।

इस घटना के दौरान, माओवादियों द्वारा सिर्फ 3 हथियार लूटे गए हैं।

वर्ष 2015 के दौरान छत्तीसगढ़ में माओवादी हमलों की बड़ी घटनाएं

1.	गांव हलबरस, पीएस बांदे **जिला-कांकेर (छत्तीसगढ़)** में सीपीआई (माओवादी) और सुरक्षा बलों के बीच हुए एक मुठभेड़ में 02 पुलिस कार्मिक मारे गए और 08 सुरक्षा बल कार्मिक और 02 ग्रामीण घायल हो गए। **0.02.2015**	गांव हलबरस, पीएस बांदे जिला-कांकेर (छत्तीसगढ़) में सीपीआई (माओवादी) और सुरक्षा बलों के बीच हुए एक मुठभेड़ में 02 पुलिस कार्मिक मारे गए और 08 सुरक्षा बल कार्मिक और 02 ग्रामीण घायल हो गए।
2.	**जिला सुकमा**, **छत्तीसगढ़** में सीपीआई (माओवादी) के साथ एक मुठभेड़ में 07 एसटीएफ कार्मिक मारे गए और 10 व्यक्ति घायल हो गए। **11.04.2015**	दिनांक 11 अप्रैल, 2015 को गांव पिडमेल, पीएस चिंतागुका सीपीआई (माओवादी) द्वारा घात लगाकार किए गए हमले में 07 एसटीएफ कार्मिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। माओवादी एसटीएफ जवानों से 01 यूबीजीएल फिटेड एके-47, 01 एलएमजी, 01 वीएचएपनफ सेट और 01 51एमएम का मोर्टार शेल ले जाने में सफल हो गए।
3.	**जिला कांकेर**, **छत्तीसगढ़** में माओवादियों द्वारा नीको जायसवाल माइनिंग कंपनी के 18 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। **12.04.2015**	दिनांक 12.04.2015 को लगभग 1000-1130 बजे जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ में बरबसपुर माइंस (पीएस कोरार से 12 किमी. दक्षिण) में माओवादियों द्वारा जायसवाल नीको उद्योग के 18 वाहनों (लौह अयस्क माइनिंग में प्रयुक्त) को आग के हवाले कर दिया।
4.	**जिला कांकेर, छत्तीसगढ़** में माओवादियों द्वारा बीएसएफ के 01 कांस्टेबल की हत्या कर दी गई। **12/13.04.2015**	दिनांक 12/13.04.2015 के बीच की मध्य रात्रि में माओवादियों ने जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ में चोटबेटिया में स्थिति नव स्थापित बीएसएफ कैंप के सुरक्षा गश्ती दल पर लगभग 2300 बजे हमला कर दिया। माओवादी छोटबेटिया-संगम रोड पर 400 मीटर की दूरी पर स्थित एक घर में छिपे हुए थे। माओवादियों ने गश्ती दल पर गोलीबारी की जिसमें 01 हेड कांस्टेबल घायल हो गया। बाद में उपचार के दौरान उस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। घटनास्थल की तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों ने वहां से 01 अज्ञात माओवादी का शव बरामद किया और उन्हें एक जोड़ा हुआ आईईडी नजर आया जिसे बीडीएस दस्ता की मदद से डीफ्यूज कर दिया गया।
5.	**जिला दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़** में सीपीआई (माओवाएदी) काडरों द्वारा किए गए बारुदी सुंरग के एक विस्फोट में 05 सीएएफ जवान मारे गए और 08 घायल हो गए। **13.04.2015**	दिनांक 13 अप्रैल, 2015 को गांव खु टिआपारा, पीएस किरनदुल, जिला-दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ के निकट किरनदुल-पलनार रोड पर सीपीआई (माओवादी) काडरों द्वारा राज्य पुलिस के एंटी-लैंड माइन वाहन को निशाना बनाकर किए गए बारुदी सुंरग के एक विस्फोट में 05 सीएएफ जवान मारे गए और 07 घायल हो गए।

*****